# मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो

अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

ब्रज नगरी में टेडी मेडी गलियां,
अरे मन पापी गलियन में भटक मत जाइयो,
अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

ब्रज गलियों में कीचड़ बहुत है,
अरे मन पापी कीचड़ में फिसल मत जइयो,
अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

बरसाने में ऊंची हवेली,
अरे मन पापी राधा रानी के दर्शन कराइयो,
अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

वृंदावन में बांके बिहारी,
अरे मन पापी चरणों में शीश झुकाइयो,
अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

गोवर्धन में मानसि गंगा,
अरे मन पापी गंगा में गोता लगाइयो,
अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

गोवर्धन में गिरिराज पर्वत,
अरे मन पापी परिक्रमा लगा घर आईयो,
अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

ब्रज नगरी में गैया बहुत हैं,
अरे मन पापी गो दान कराकर आईयो,
अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

ब्रज नगरी में कन्या बहुत हैं,
अरे मन पापी कन्यादान कराकर आईयो,
अरे मन पापी मोहे ब्रज नगरी में घुमाईयो.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28016/title/mohe-braj-nagri-me-ghumayio

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |